वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 287 | मंगलवार 17 मार्च 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य पर राजस्थानी जनजाति गौरव दिवस का आयोजन

राजस्थान की विकास यात्रा में जनजातीय समाज का योगदान अतुलनीयः भजनलाल

आदिवासी बाहुल्य जिलों के 1 हजार 902 करोड़ रुपये के 326 विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजातीय समाज अपनी समृद्ध परंपरा, विशिष्ट संस्कृति तथा प्रकृति के साथ गहरे संबंध के लिए प्रसिद्ध है। इस समाज ने ऐसे वीर सपूत दिए हैं, जिन्होंने आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। देश-प्रदेश का विकास इनकी सक्रिय भागीदारी से ही संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी के तहत राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में यह दिन आदिवासियों को समर्पित है। इन्होंने राजस्थान की इस विकास यात्रा में अतुलनीय योगदान दिया है। शर्मा सोमवार को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने

कहा कि 30 मार्च 1949 को भारतीय नववर्ष की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को रेवती नक्षत्र इंद्रयोग में वृहद् राजस्थान की स्थापना हुई थी। हमारी सरकार ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन ही राजस्थान दिवस मनाने का निश्चय किया था। इसीलिए इस वर्ष 19 मार्च के दिन प्रदेशभर में इस दिवस को पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेणेश्वर धाम की ऐतिहासिक भूमि आदिवासी आस्था का सबसे बड़ा केन्द्र है। राज्य सरकार द्वारा बेणेश्वर धाम के सौंदर्यीकरण का कार्य करवाया जाएगा और इस संबंध में डीपीआर भी तैयार की जा रही है।

हमारा हस्तशिल्प जनजातीय स्वाभिमान की अभिव्यक्ति

शर्मा ने कहा कि जनजातीय समाज ने अपनी आजादी से कभी समझौता नहीं किया। भगवान बिरसा मुंडा ने महज 25 वर्ष की उम्र में अंग्रेजों के शोषण के विरुद्ध संघर्ष की अलख जगाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पिछले वर्ष बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर पूरे देश में जनजातीय गौरव वर्ष मनाया। उन्होंने कहा कि हमारा हस्तशिल्प जनजातीय स्वाभिमान की अभिव्यक्ति है। पिथोरा चित्रकला, बांस की बुनाई, मिट्टी के बर्तन, लकड़ी की नक्काशी आदि सभी हमारी अनमोल सांस्कृतिक विरासत हैं। हमारी सरकार का प्रयास है कि इन सभी कलाओं को सम्मान मिले और कलाकारों को इनका उचित मूल्य मिले।

जनजातीय समाज के उत्थान के लिए अनेक निर्णय

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में जनजाति उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। छात्रावासों में मैस भत्ता ढाई हजार से बढ़ाकर 3 हजार 250 रुपये प्रति माह किया है। साथ ही, खेल अकादमियों में मैस भत्ते में बढ़ोतरी, कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले जनजाति विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि, सीए व सीएस परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले जनजातीय विद्यार्थियों की प्रोत्साहन राशि में वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि 244 नए मां-बाड़ी केंद्रों की स्थापना की गई है तथा जनजाति किसानों को मुफ्त संकर मक्का बीज एवं मिनिकिट का वितरित किया गया है। इसी तरह प्रदेश के 8 जिलों में 530 वन धन विकास केंद्रों का गठन कर डेढ़ लाख से अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जनजाति समाज के खिलाड़ियों ने एशियन लेक्रोस गेम्स, राष्ट्रीय लेक्रोस चौंपियनशिप सहित विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में पदक जीते हैं। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने इस वर्ष के बजट में जनजातीय समाज के सशक्तीकरण के लिए अनेक घोषणाएं की हैं। वनों में निवास करने वाले जनजाति लोगों को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वन अधिकार के पट्टे दिलाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने की केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मुलाकात

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के बीच राजस्थान में एनईपी-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं के शिक्षण द्वारा युवाओं को नवीन रोजगारपरक शिक्षा सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान में डबल इंजन सरकार 'शिक्षित प्रदेश-उन्नत प्रदेश' एवं युवाओं को अवसर प्रदान करने के संकल्प के साथ निरंतर अग्रसर है।

महावीर महिला मंडल का रंगारंग होली मिलन

ग्रैंड सफारी में उमड़ा उत्साह, वंदना छाबड़ा चुनी गईं 'होली क्वीन'

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महावीर महिला मंडल द्वारा होली के पावन पर्व पर ग्रैंड सफारी होटल में भव्य एवं रंगारंग 'होली मिलन समारोह' का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। समारोह में लगभग 105 महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे पूरा वातावरण प्रेम, सौहार्द और आपसी भाईचारे के रंगों से सराबोर हो गया।

अतिथियों का स्वागत और सम्मान

कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल की अध्यक्ष सुशीला छाबड़ा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में शकुंतला बिलाला, हेमलता और प्रीति गोधा उपस्थित रहीं। महिला मंडल की सदस्यों ने अतिथियों का तिलक, माला और गुलाल लगाकर स्वागत किया तथा उन्हें मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

नारी शक्ति का विशेष सम्मान

इस अवसर पर समाज सेवा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली किरण बेनाडा एवं सुनीता अजमेरा को 'विशेष नारी सम्मान' से नवाजा गया। उन्हें तिलक, माला और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

मनोरंजन और 'होली क्वीन' प्रतियोगिता

समारोह के दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताएं, गीत-संगीत, नृत्य और फन गेम्स आयोजित किए गए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'होली क्वीन' प्रतियोगिता रही, जिसमें वंदना छाबड़ा को 'होली क्वीन' चुना गया। इसके अलावा सरप्राइज गेम, लकी ड्रॉ और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

सफल आयोजन में इनका रहा सहयोग

कार्यक्रम को सफल बनाने में मंत्री मोना पाटनी, कोषाध्यक्ष नलिनी अजमेरा सहित संयोजक प्रियंका गदिया, मेघना कासलीवाल, ममता लुहाडिया, कुमुद काला, बीना बिलाला, अंशु बज, सीता जैन, मैंना काला, विद्युत लुहाडिया, आशा लुहाडिया, कमला सेठी, सुलोचना सेठी, किरण सेठी, मंजू छाबड़ा, बीना शाह, आशा अग्रवाल, मधु हाडा, सुनीला, अनिला, प्रमिला और सुनीता बोहरा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह के अंत में सभी महिलाओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.

प्रायोजक समाचार जगत

खाद्य पदार्थ व्यापार संघ द्वारा

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

बुधवार 18 मार्च 2026

प्रात: 10 से 3 बजे तक

स्थान : राजधानी अनाज मंडी

रोड़ नं.9, कुकरखेड़ा, वी.के.आई., जयपुर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

:: संयोजक ::

रामचरण नाटाणी (मो. 9829712811)

अविनाश जैन (मो. 9414077152)

: आयोजन समिति :

मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या

मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका

:: समन्वयक ::

राकेश संघी, राकेश छाबड़ा

अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फैडरेशन राज. रीजन

अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन

कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति

अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा

कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

Vardhman Printers # 9314263204

वैश्विक शिक्षा की ओर बड़ा कदम: डीपीएस उदयपुर को मिला सीईईबी कोड

विश्व के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश की प्रक्रिया अब होगी और आसान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शहर के देहली पब्लिक स्कूल को वैश्विक शैक्षणिक पहचान दिलाने वाला सीईईबी कोड प्राप्त हुआ है, जिससे विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए विश्व के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश की राह और अधिक सरल हो जाएगी। यह कोड कॉलेज बोर्ड द्वारा प्रदान किया जाता है, जो विश्व स्तर पर उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ शैक्षणिक समन्वय स्थापित करने वाली प्रमुख संस्था है। देहली पब्लिक स्कूल सोसाइटी, नई दिल्ली के प्रयासों से देशभर के डीपीएस विद्यालयों में से प्रथम चरण में केवल सात स्कूलों का चयन किया गया, जिनमें डीपीएस उदयपुर को भी स्थान मिला है। यह चयन विद्यालय के उत्कृष्ट शैक्षणिक मानकों और संस्थागत गुणवत्ता के आधार पर किया गया है। विद्यालय के प्रो वाइस चेयरमैन गोविंद अग्रवाल ने इसे संस्था के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह विशिष्ट कोड केवल चुनिंदा संस्थाओं को ही प्रदान किया जाता है। इससे विद्यालय की प्रतिष्ठा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और सुदृढ़ होगी। विद्यालय के प्राचार्य संजय नरवारिया ने बताया कि सीईईबी कोड मिलने के बाद विद्यार्थियों के लिए कॉलेज एक्सेस प्रोग्राम अधिक सरल हो जाता है। इसके माध्यम से देश-विदेश के विश्वविद्यालयों में प्रवेश आवेदन, शैक्षणिक प्रगति की जानकारी, आवश्यक दस्तावेजों का सुरक्षित हस्तांतरण तथा शुल्क छूट से संबंधित प्रक्रियाएं सुगमता से पूरी की जा सकेंगी। यह उपलब्धि डीपीएस उदयपुर को वैश्विक शैक्षणिक मंच पर नई पहचान दिलाएगी।

रिपोर्ट /फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

टाईकॉन उदयपुर 2026: दक्षिण राजस्थान का सबसे बड़ा उद्यमिता सम्मेलन 20 मार्च को

600 से अधिक उद्यमी, निवेशक और स्टार्टअप संस्थापक होंगे शामिल, एआई और नवाचार पर होगा विशेष फोकस

उदयपुर. शाबाश इंडिया

टाई उदयपुर द्वारा आयोजित टाईकॉन उदयपुर 2026 को लेकर सोमवार को शहर में प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें सम्मेलन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी मीडिया के साथ साझा की गई। प्रेस वार्ता में टाई उदयपुर के प्रेसीडेंट संदीप बापना, टाईकॉन चेयर हितेश गांधी, को-चेयर परिक्षित तलेसरा, विनय राठी, मनीष गोधा, जाकी चक्कीवाला, दीपेश कोठारी, अंकित तलेसरा, हसीना चक्कीवाला तथा एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राहुल जीनगर उपस्थित रहे। टाईकॉन चेयर हितेश गांधी ने बताया कि टाईकॉन उदयपुर 2026 का आयोजन 20 मार्च को मैरियट होटल, उदयपुर में किया जाएगा। इस वर्ष सम्मेलन की थीम ''भारत की अगली छलांग'' रखी गई है, जो देश में तेजी से विकसित हो रहे स्टार्टअप और नवाचार इकोसिस्टम को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल सम्मेलन नहीं बल्कि उद्यमिता, नवाचार और प्रेरणा का बड़ा मंच है, जहाँ देशभर से उद्यमी, निवेशक, स्टार्टअप संस्थापक और उद्योग विशेषज्ञ एकत्रित होंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में 600 से अधिक उद्यमी, निवेशक और स्टार्टअप प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है, जबकि 25 से अधिक प्रतिष्ठित वक्ता अपने अनुभव साझा करेंगे। इनमें देश के प्रमुख उद्यमी, निवेशक और उद्योग जगत के विशेषज्ञ शामिल रहेंगे। मनीष गोधा ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कहा कि इस वर्ष सम्मेलन को दो प्रमुख ट्रैक में आयोजित किया जाएगा। पहला 'बिग पिक्चर ट्रैक' होगा, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई तकनीकों के व्यापक प्रभाव पर चर्चा होगी। दूसरा 'एक्जीक्यूशन ट्रैक' होगा, जिसमें बिजनेस को जमीन पर उतारने, नए उत्पाद विकास, स्केलिंग और वास्तविक कार्यान्वयन से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। प्रतिभागियों के लिए निवेशकों और विशेषज्ञों से सीधे संवाद के लिए नेटवर्किंग और मीटिंग स्लॉट भी उपलब्ध रहेंगे। टाई उदयपुर के प्रेसीडेंट संदीप बापना ने कहा कि टाईकॉन उदयपुर का उद्देश्य दक्षिण राजस्थान में मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम तैयार करना है। संगठन युवाओं और उद्यमियों को मेंटरशिप, नेटवर्किंग और निवेश से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष लगभग 11-12 स्टार्टअप्स को वास्तविक निवेश और फंडिंग प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि टाई उदयपुर केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण और छोटे शहरों के स्टार्टअप्स को भी समान अवसर देने के लिए कार्य कर रहा है। उदाहरण के रूप में एक स्टार्टअप को जापान से अंतरराष्ट्रीय निवेश प्राप्त हुआ है। सम्मेलन में कीनोट सेशन, पैनल चर्चा, फायरसाइड बातचीत, मास्टरक्लास, स्टार्टअप पिचिंग और इन्वेस्टर कनेक्ट जैसे सत्र आयोजित होंगे, जिनसे प्रतिभागियों को उद्योग के अग्रणी विशेषज्ञों से सीखने और संवाद का अवसर मिलेगा।

रिपोर्ट/ फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

वेद ज्ञान

तो यह है जीवन का परमआनंद

हमारे धर्म ग्रंथों में अमूमन इस बात का उल्लेख मिलता है कि ईश्वर की शरण में जाने से मनुष्य को परम आनंद की प्राप्ति होती है। आखिर ये परम आनंद क्या है? ये कहां मिलता है? एक आम आदमी को इन दोनों प्रश्नों का उत्तर कभी नहीं मिल पाता और इसीलिए उसकी अध्यात्म के पथ पर उन्नति नहीं हो पाती। परम आनंद के बारे में भगवान ने गीता में बताया है कि वह स्थिति जिसमें मनुष्य सुख, दुख, हानि, लाभ, क्रोध, मोह और अहंकार आदि से मुक्त होकर स्वयं में स्थापित हो चुका हो। यानी मन का पूर्णतया निग्रह। मन, इंद्रियों द्वारा मनुष्य को संसार में लिप्त करके उसकी प्रवृत्ति को वाह्य बनाता है और वह संसार में इंद्रियों के द्वारा सुख की खोज में भटकता रहकर जीवन-मरण का चक्कर लगाता रहता है। इसीलिए परमानंद की प्राप्ति के लिए सबसे पहले मन की प्रवृत्ति को अपने अंदर की ओर मोड़ना चाहिए। अज्ञानवश लोग मन को बलपूर्वक संसार से विरक्त करने की कोशिश करते हैं जो पूर्णतया निर्थक व गलत मार्ग है। ऐसा इसलिए, क्योंकि ऐसी स्थिति में जब भी मन का नियंत्रण ढीला पड़ता है वह दोबारा इंद्रिय भोग द्वारा संसार के भोगों में लिप्त हो जाता है। आनंद के लिए पहले कदम के रूप में सर्वप्रथम मनुष्य को संसार का लेन-देन समाप्त करना चाहिए। लेन-देन केवल धन तक ही सीमित नहीं है बल्कि भावनात्मक पहलू धन से भी ज्यादा अहम व आवश्यक है। नकारात्मक भावों के कारण वह कामना रूपी प्रेम, अहंकार, जलन, ईर्ष्याऔर बदले की भावना व क्रोध से पीड़ित रहता है। नकारात्मक भावों के कारण ही उसे शारीरिक रोगों जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदयरोग होने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं। भगवान का गीता में बताया गया यह कथन कि विषयों का चिंतन करने वाले पुरुष की उन विषयों में आसक्ति हो जाती है, आसक्ति से उन विषयों की कामना उत्पन्न होती है और कामना में विघ्न पड़ने से क्रोध उत्पन्न होता है और क्रोध से विवेक समाप्त होकर बुद्धि भी नष्ट हो जाती है। इस प्रकार मनुष्य का पतन हो जाता है। सनातन धर्म में मनुष्य के जीवन चक्र को नियंत्रित करने के लिए आश्रम व्यवस्था है। वानप्रस्थ आश्रम में मनुष्य को धीरे-धीरे अपने आपको गृहस्थ आश्रम व दुनियादारी के लेन-देन से मुक्त कर लेना चाहिए और जीवन के शेष भाग को सम स्थिति में रहकर परमानंद में स्थित हो जाना चाहिए।

संपादकीय

काम आई मोदी की कूटनीति

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कूटनीति के कारण ईरान और अमेरिका युद्ध के बाद जिस प्रकार से एलपीजी और पेट्रोलियम पदार्थों की कमी दुनियाभर के सामने खड़ी हुई उससे भारत ने अन्य देशों की तूलना में बहुत कुछ हल निकालने में कामयाबी प्राप्त की है। यह भारत की विदेश एवं कूटनीति का प्रभाव है। भारत ने हमेशा एशिया के सबी देशों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने की कोशिश की है। अमेरिका और इजरायल के ईरान के

साथ चल रहे विनाशकारी युद्ध के बीच पीएम मोदी और ईरान के राष्ट्रपति की वार्ता के बाद ईरान ने भारतीय जहाजों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने का संकेत दिया है। ईरान के राजदूत मोहम्मद फताली ने कहा था कि भारत हमारा मित्र है और जल्द ही भारतीय जहाजों को रास्ता मिलेगा। ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध के बीच वैश्विक ईंधन संकट गहरा गया। भारत को अब तक होमुर्ज के जरिए एलपीजी से भरे दो जहाज मिल चुके हैं, जिससे भारत इस संकट से निपटने में सक्षम होगा। इस तनावपूर्ण माहौल में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान की नीति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि यह समुद्री रास्ता सबके लिए बंद नहीं है, बल्कि केवल चुनिंदा देशों के लिए प्रतिबंधित है। बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की लगभग 20% तेल आपूर्ति का मुख्य रास्ता है। पिछले महीने अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद से तेहरान ने इस मार्ग पर नाकेबंदी सख्त कर दी है जिससे तेल और गैस की सप्लाई रुक गई है और पूरी दुनिया में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं। आज के वैश्वीकरण के दौर में दुनिया के किसी भी हिस्से में होने वाला संघर्ष केवल स्थानीय नहीं रह जाता, बल्कि उसके प्रभाव पूरी दुनिया में महसूस किए जाते हैं। पश्चिम एशिसया में ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ता तनाव भी ऐसा ही एक उदाहरण है। भौगोलिक दृष्टि से भारत इन देशों से हजारों किलोमीटर दूर है, लेकिन आर्थिक, रणनीतिक और मानवीय संबंधों के कारण इस युद्ध के प्रभाव से भारत अछूता नहीं है। अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। उसके मुख्य नेता अयातुल्ला अली खामेनेई सहित वरिष्ठ नेताओं और महत्त्वपूर्ण सैन्य जरनैल इस हमले में मारे गए थे। इनका युद्ध तो चाहे दो सप्ताह पहले ही शुरू हुआ था, परन्तु ईरान और इजरायल की दुश्मनी दशकों पुरानी है। चाहे लम्बी अवधि व्यतीत होने के बाद ज्यादातर अरब देश इजरायल के अस्तित्व को स्वीकार भी करने लगे हैं और उसके साथ किसी न किसी रूप में अपने संबंध भी बहाल कर रहे हैं परन्तु ईरान ने नजदीकी देश लेबनान में हिजबुल्ला जैसे कट्टर संगठन और यमन में हती संगठन के साथ-साथ गाजा पट्टी में हमास गुरिल्लों को दशकों से सहायता देकर उन्हें इजरायल से मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार किया हुआ है, वहीं अमेरिका हर उस देश को दबाना चाहता है जो उसके अनुसार नहीं चलना चाहता और उसका हथियार बनता है इजरायल।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

बहुमत से नहीं, नैरेटिव की राजनीति से लड़ाई

-कांतिलाल मांडोत

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। ऐसे में जब मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का नोटिस दिया जाता है, तो वह केवल एक संवैधानिक प्रक्रिया नहीं रह जाता, बल्कि उसके राजनीतिक मायने भी गहरे हो जाते हैं। हाल ही में विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए संसद के दोनों सदनों में नोटिस दिया है। इस नोटिस पर लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों के हस्ताक्षर हैं, यानी कुल 193 सांसदों ने इसे समर्थन दिया है। यह संख्या नोटिस देने के लिए जरूरी न्यूनतम संख्या से अधिक है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसके बावजूद इस प्रस्ताव का संसद में पारित होना लगभग असंभव है। यही कारण है कि इस पूरे घटनाक्रम को केवल संवैधानिक प्रक्रिया के रूप में नहीं बल्कि राजनीतिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। विपक्षी दलों का यह कदम ऐसे समय आया है जब देश में जल्द ही पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा होने वाली है। चुनाव से ठीक पहले मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस तरह का कदम उठाना यह संकेत देता है कि विपक्ष चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर एक राजनीतिक नैरेटिव तैयार करना चाहता है। मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324(5) में तय की गई है। इसके अनुसार उन्हें हटाने के लिए वही प्रक्रिया अपनाई जाती है जो सुप्रीम कोर्ट के किसी न्यायाधीश को हटाने के लिए अपनाई जाती है। इसका अर्थ है कि संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित होना आवश्यक है। विशेष बहुमत का मतलब है कि सदन की कुल सदस्य संख्या का बहुमत और उपस्थित तथा मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत का समर्थन। वर्तमान राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए विपक्ष के पास इतनी संख्या नहीं है कि वह इस प्रस्ताव को पारित करा सके। यही कारण है कि कई राजनीतिक पर्यवेक्षक मानते हैं कि यह प्रस्ताव वास्तव में सत्ता परिवर्तन की कोशिश से अधिक राजनीतिक संदेश देने की रणनीति का हिस्सा है। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग की कुछ प्रक्रियाएं, खासकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े निर्णय, बड़े पैमाने पर मतदाताओं को मताधिकार से वंचित कर सकते हैं और इससे सत्तारूढ़ दल को लाभ मिल सकता है। इसी आधार पर विपक्ष ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए महाभियोग का रास्ता चुना है। हालांकि यह भी सच है कि इस तरह का प्रस्ताव भारतीय इतिहास में पहली बार सामने आया है। इससे पहले किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए संसद में इस स्तर का औपचारिक प्रयास नहीं हुआ था। इसलिए यह कदम अपने आप में एक बड़ा राजनीतिक संकेत भी है। विपक्ष यह संदेश देना चाहता है कि वह चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर है और यदि उसे लगता है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता प्रभावित हो रही है तो वह उसे संसद में चुनौती देने से पीछे नहीं हटेगा। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो इस कदम का सीधा फायदा विपक्ष को तुरंत मिलना मुश्किल है। संसद में बहुमत के अभाव के कारण यह प्रस्ताव संभवतः आगे नहीं बढ़ पाएगा। लोकसभा में अंतिम निर्णय स्पीकर ओम बिरला के पास है, जबकि राज्यसभा में यह अधिकार सभापति के पास होता है। यदि वे नोटिस स्वीकार भी कर लेते हैं तो अगला चरण जांच समिति का होगा। समिति की रिपोर्ट और उसके बाद संसद में मतदान की प्रक्रिया इतनी जटिल और लंबी है कि उसका परिणाम निकट भविष्य में निकलना मुश्किल है।

मुनि श्री हितेंद्र सागर जी का केशलोचन: राग और मोह के त्याग का अनूठा उदाहरण

खानिया स्थित राणा जी की नसिया में आचार्य वर्धमान सागर जी के सानिध्य में हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के खानिया स्थित राणा जी की नसिया में इन दिनों आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो रहा है। यहाँ आचार्य श्री शांति सागर जी की मूल बाल ब्रह्मचारी पट्ट परंपरा के पंचम पट्टाधीश आचार्य वर्धमान सागर जी ससंघ विराजित हैं और ग्रीष्मकालीन वाचना कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज श्रद्धालुओं की उपस्थिति में मुनि श्री हितेंद्र सागर जी ने 'केशलोचन' की कठिन तपस्या संपन्न की।

केशलोचन: दिगंबर साधु का मूल गुण

केशलोचन के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए संघ की आर्यिका महायश मति जी ने बताया कि प्रत्येक दिगंबर साधु के लिए 2 से 4 माह की अवधि के भीतर केशलोचन करना अनिवार्य है, जो उनके मूल गुणों में शामिल है। उन्होंने बताया कि केशलोचन केवल बालों को हटाना नहीं, बल्कि शरीर के प्रति राग और मोह को दूर करने की एक प्रक्रिया है।

अहिंसा और अपरिग्रह का प्रतीक

आर्यिका श्री ने केशलोचन की वैज्ञानिक और धार्मिक महत्ता बताते हुए कहा:

अहिंसा धर्म: जैन धर्म में अहिंसा सर्वोपरि है। यदि बालों का लोचन न किया जाए, तो उनमें सूक्ष्म जीवों की उत्पत्ति की संभावना रहती है। जीवों की रक्षा के लिए साधु स्वयं अपने हाथों से बालों का लोचन करते हैं।

अपरिग्रह: जैन साधु पूर्णतः अपरिग्रही होते हैं। वे बाल काटने या शेविंग के लिए किसी अन्य उपकरण या द्रव्य का उपयोग नहीं करते, बल्कि स्वयं के हाथों से इस क्रिया को पूर्ण करते हैं।

तप और संयम: बाल सौंदर्य और आकर्षण का प्रतीक हैं। इनका त्याग कर साधु अपने शरीर से ममत्व (जुड़ाव) को खत्म करते हैं। जिस दिन साधु केशलोचन करते हैं, उस दिन वे उपवास रखकर अपनी इंद्रियों पर विजय प्राप्त करते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। उपस्थित महिलाओं ने वैराग्यपूर्ण भजनों की प्रस्तुति देकर मुनि श्री की इस कठिन तपस्या की अनुमोदना की। मान्यता है कि केशलोचन की अनुमोदना करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और कर्मों की निर्जरा होती है।

फाग उत्सव के रंग में रंगा अग्रवाल समाज

अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा का होली स्नेह मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा की जिला इकाई एवं महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में होली स्नेह मिलन समारोह और फाग उत्सव उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर समाजजनों ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सामूहिक आरती की। जिलाध्यक्ष सतीश कुमार अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल रहे। समारोह के संयोजक प्रेम अग्रवाल और उनकी टीम ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महिला प्रकोष्ठ की जिला महामंत्री रेखा अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान अनिल आनंद एंड पार्टी द्वारा भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिसमें समाजजनों ने महाराजा अग्रसेन और खाटू श्याम के भजनों का आनंद लिया। कार्यक्रम में प्रतियोगिताओं की विजेता महिलाओं को सम्मानित किया गया तथा जिला टीम में 16 नए सदस्यों को महासभा की सदस्यता दिलाकर अभिनंदन किया गया। अंत में जिला महामंत्री नरेश कुमार अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

रिपोर्ट/ फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

महावीर इंटरनेशनल द्वारा जैतपुरा में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित, 222 मरीजों ने लाभ उठाया

टेक्समैको रेल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड के सहयोग से हुआ आयोजन, दवाइयां और चश्मे भी बांटे गए

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल के ध्येय वाक्य 'आजादी का अमृत महोत्सव-बीमारी से आजादी' के तहत जैतपुरा स्थित रीको इंडस्ट्रियल एरिया में एक दिवसीय नि:शुल्क नेत्र एवं मेडिकल जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर टेक्समैको रेल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड कंपनी के परिसर में महावीर इंटरनेशनल दिल्ली के सहयोग एवं महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर के बैनर तले आयोजित किया गया, जिसमें कुल 222 लोगों ने पंजीकरण कराकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर के अध्यक्ष वीर राजेश बड़जात्या ने बताया कि शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ टीमों द्वारा स्वास्थ्य जांच की गई: **सहाय आई हॉस्पिटल:** चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की आंखों की नि:शुल्क जांच की।

मणिपाल हॉस्पिटल: विशेषज्ञों ने ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और ई.सी.जी. जैसी महत्वपूर्ण जांचें कीं।

क्लेव डेंटल हॉस्पिटल: दांतों से संबंधित समस्याओं की जांच कर उचित परामर्श दिया गया।

नि:शुल्क वितरण: जांच के बाद मरीजों को आवश्यकतानुसार जेनेरिक दवाइयां और नजदीकी नजर के चश्मे भी नि:शुल्क वितरित किए गए।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

कैंप संयोजक वीर नीरज जैन ने बताया कि इस अवसर पर टैक्समाको कंपनी के अधिकारी नरेंद्र कुमार यादव और राजकुमार शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। शिविर का संचालन महावीर इंटरनेशनल दिल्ली की धरती वार्ष्णेय और मेडिकल कैंप कॉर्डिनेटर के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन को सफल बनाने में कैंप संयोजिका वीरा सुशीला बड़जात्या और वीरा मंजू पूरी सहित अन्य सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा। समारोह के समापन पर महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर की ओर से कैंप कॉर्डिनेटर नीरज जैन, मणिपाल हॉस्पिटल, सहाय आई हॉस्पिटल, क्लेव डेंटल हॉस्पिटल के चिकित्सकों, तकनीशियनों और टैक्समाको कंपनी के अधिकारियों को उनके सराहनीय सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

भगवान महावीर के 2625वें जन्मोत्सव पर सेवा का संकल्प: रक्तदान शिविर में उमड़ा जनसैलाब

328 मरीजों ने कराई स्वास्थ्य जांच, 64 यूनिट रक्त संग्रहित; उप-मुख्यमंत्री की टीम सहित कई गणमान्य रहे उपस्थित

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर के 2625वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आदिनाथ जयंती से महावीर जयंती तक चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को मानवता की सेवा का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। विश्वकर्मा स्थित एसोसिएशन भवन में आयोजित वृहत स्वैच्छिक रक्तदान एवं निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर में सैंकड़ों लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

संयुक्त तत्वाधान में हुआ सफल आयोजन: यह शिविर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन (राजस्थान रीजन) के तत्वाधान में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'सन्मति' के सहयोग से तथा 'वीर ग्रुप' एवं राजस्थान जैन युवा महासभा (विद्याधर नगर जोन) के संयुक्त सौजन्य से आयोजित किया गया।

विशेषज्ञ टीमों ने दी सेवाएं: जयपुर रीजन सचिव व वीर ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. नीरज जैन एवं सचिव पंकज जैन ने बताया कि शिविर में विख्यात चिकित्सा संस्थानों की टीमों ने अपनी सेवाएं दीं:

मणिपाल हॉस्पिटल व समत्व होम्योपैथी: सामान्य चिकित्सा एवं परामर्श।

शंकरा आई हॉस्पिटल: नेत्र जांच एवं चश्मा वितरण।

क्लोव डेंटल: दंत चिकित्सा एवं परामर्श।

एसएमएस हॉस्पिटल ब्लड बैंक: रक्तदान एवं रक्त संग्रहण।

जांच और उपचार का मिला लाभ: मुख्य समन्वयक राजेश बड़जात्या एवं राकेश गोदिका ने बताया कि शिविर में कुल 328 मरीजों ने पंजीकरण कराकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। रक्तदान के प्रति युवाओं में खासा उत्साह देखा गया, जिसके फलस्वरूप 64 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर संयोजक आशीष जैन एवं रौनक जैन के अनुसार, मरीजों की बीपी, शुगर, बीएमआई, ब्लड ग्रुप सहित मलेरिया, हेपेटाइटिस और एचआईवी जैसी गंभीर जांचें भी निःशुल्क की गईं। साथ ही

जरूरतमंदों को चश्मे और दवाइयां भी बांटी गईं।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति: समारोह में राजस्थान की उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी के ओएसडी हनुमान सिंह ने विशेष रूप से शिरकत की। उनके साथ वीकेआई एसोसिएशन के महासचिव पुष्प कुमार स्वामी, वीकेआई रिक्रिएशन क्लब के अध्यक्ष संजय खोज, महासचिव दीपक धानोटिया, हरिओम जन सेवा समिति के अध्यक्ष पंकज गोयल और पुलिस प्रशासन से डालचंद व प्रीतम सिंह सहित कई सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

टीम का सराहनीय सहयोग: शिविर की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में वीर ग्रुप की रेखा जैन (जिला सीएलजी सदस्य), अमित नासिरदा, सुभाष जैन, शशि, अंकित, रोहित, एकता और महेंद्र जैन सहित पूरी टीम का विशेष योगदान रहा। अंत में डॉ. नीरज जैन ने सभी मेडिकल टीमों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

लायंस क्लब कोटा सेंट्रल का गणगौर बिंदौरा एवं फाग उत्सव, गीतों पर झूमे सदस्य, पुष्प वर्षा से खेली होली

आजाद शेरवानी

कोटा। लायंस क्लब कोटा सेंट्रल द्वारा तलवंडी स्थित जोहरी होटल में गणगौर का बिंदौरा एवं फाग उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत क्लब की आम सभा से हुई, जिसमें अध्यक्ष आर.पी. मीणा एवं सचिव राजकुमार गुप्ता ने क्लब की गतिविधियों तथा आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर पीडीजी विशाल महेश्वरी ने 3 मई को आयोजित होने वाली कैबिनेट मीटिंग के बारे में जानकारी दी, जबकि श्याम लाल गुप्ता ने आगामी डिस्ट्रिक्ट चुनाव को लेकर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम संयोजक लायन शक्ति मधु ललित बाहेती ने श्रृंगार और सौभाग्य के पर्व गणगौर के उपलक्ष्य में बिंदौरे का आयोजन कराया। इसमें सभी सदस्यों ने घर के बने व्यंजनों से ईसर-गणगौर को भोग लगाया। इसके बाद पारंपरिक गीतों और नृत्य के साथ उत्सव का आनंद लिया गया। कार्यक्रम के दौरान 'खेलने दयो गणगौर भँवर म्हाने पूजन दयो गणगौर' तथा 'म्हारे पीहरिये में मांडी गणगौर' जैसे पारंपरिक श्रृंगार गीतों पर सदस्यों ने जमकर नृत्य किया। फागोत्सव संयोजक अशोक लखोटिया ने फाग गीतों की प्रस्तुति से समा बाँध दिया। उपस्थित सदस्यों ने पुष्प वर्षा के साथ होली खेलकर फागोत्सव का आनंद लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में लायन कृष्णा गुप्ता, लायन ललित बाहेती सहित कई सदस्यों का सहयोग रहा।

मानव सेवार्थ समर्पित रहेगा विहसंत सागर तीर्थधाम: उपाध्याय विहसंत सागर महाराज

जैतपुरा (इटावा) में ऐतिहासिक शिलान्यास समारोह संपन्न, एक साथ 15 परियोजनाओं की रखी गई नींव

150 से अधिक बसों में सवार होकर पहुंचे 10 हजार से अधिक श्रद्धालु

मुरैना/जैतपुरा (मनोज जैन नायक)

तीर्थों का निर्माण संस्कृति के संरक्षण और मानव कल्याण के पावन उद्देश्य से किया जाता है। सकल दिगंबर जैन समाज के सहयोग से निर्मित होने जा रहा 'विहसंत सागर तीर्थधाम' आने वाले समय में मानव सेवा का एक बड़ा केंद्र बनेगा। उक्त उद्गार मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज ने जैतपुरा (इटावा) में आयोजित भव्य शिलान्यास समारोह के दौरान व्यक्त किए।

एक साथ 15 परियोजनाओं का ऐतिहासिक शिलान्यास

समाधिस्थ गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के शिष्य उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज के सानिध्य में रविवार, 15 मार्च 2026 को एक नया कीर्तिमान स्थापित हुआ। इस नव-निर्माणाधीन तीर्थधाम में एक साथ 15 बड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। इसमें भगवान मल्लिनाथ जिनालय, त्यागीवृत्ती आश्रम, चिकित्सालय, औषधालय, संग्रहालय, विरागोदय आहारशाला, गौशाला, विरागोदय गुरुकुल, ध्यान केंद्र, ऑडिटोरियम और धर्मशाला जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। गुरुभक्तों ने मंत्रोच्चार के बीच मुख्य शिला सहित स्वर्ण, रजत व ताम्र शिलाएं स्थापित कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

साधुओं के विश्राम हेतु मन में आया विचार

महाराज श्री ने संबोधित करते हुए कहा कि उदी रोड से शौरीपुर बटेश्वर जाते समय 50 किलोमीटर के दायरे में साधु-साध्वियों के लिए कोई विश्राम स्थल नहीं था। इसी असुविधा को देखते हुए यहाँ तीर्थ निर्माण का विचार आया। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि इस कार्य में जैन ही नहीं बल्कि जैनेतर बंधुओं का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। इटावा सदर विधायक ने भी इस क्षेत्र के विकास में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है।

श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब, हाईवे पर रहा जाम

मीडिया प्रभारी मनोज जैन नायक ने बताया कि कार्यक्रम में राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से 150 से अधिक बसों और सैकड़ों चार पहिया वाहनों में सवार होकर 10 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। अत्यधिक भीड़ के कारण हाईवे पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रही। विहसंत

सागर चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से सभी आगंतुकों के लिए आवास, स्वल्पाहार एवं भोजन की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई।

पिच्छिका परिवर्तन समारोह

शिलान्यास के इस पावन अवसर पर उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज का पिच्छिका परिवर्तन भी संपन्न हुआ। गुरुभक्त परिवार ने पूर्ण श्रद्धा और भक्ति के साथ महाराज श्री को नवीन मयूर पंख निर्मित पिच्छिका भेंट की। ट्रस्ट की ओर से सभी दानदाताओं, अतिथियों और सहयोगियों का तिलक व माला पहनाकर सम्मान किया गया।

घुवारा में पंचकल्याणक महोत्सव का उत्साह: पात्र चयन और वेदिका शिलान्यास संपन्न

सेठ सुखानंद-भगवती जैन को मिला तीर्थंकर के माता-पिता बनने का सौभाग्य, 22 से 27 मार्च तक आयोजित होगा भव्य गजरथ महोत्सव

घुवारा. शाबाश इंडिया। नौ भव्य जिनालयों से सुशोभित धर्मनगरी घुवारा में भक्ति का अनूठा उल्लास देखा जा रहा है। श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर समिति द्वारा नवनिर्मित 'शीतल धाम चौबीसी जिनालय' में जिन बिम्बों की प्रतिष्ठा हेतु आगामी 22 से 27 मार्च 2026 तक भव्य पंचकल्याणक एवं गजरथ महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। समाधिस्थ गणाचार्य श्री विराग सागर जी

महाराज के आशीर्वाद एवं पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज की प्रेरणा से आयोजित होने वाले इस महोत्सव की पूर्व क्रियाएँ श्रमण मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुईं। विख्यात प्रतिष्ठाचार्य डॉ. विमल कुमार जैन (जयपुर) के कुशल निर्देशन में रविवार को प्रमुख पात्रों का चयन और वेदिका शिलान्यास महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। तीर्थंकर भगवान के माता-पिता के चयन हेतु 7 उम्मीदवारों ने अपने नियम और त्याग के विवरण के साथ बंद लिफाफे में आवेदन दिए थे। मुनि श्री एवं प्रतिष्ठाचार्य जी द्वारा सूक्ष्म समीक्षा के उपरांत घुवारा के सेठ सुखानंद जी एवं श्रीमती भगवती सेठ को माता-पिता बनने का सौभाग्य प्रदान किया गया। नाम की घोषणा होते ही समूचा पंडाल जयकारों से गूंज उठा। अन्य प्रमुख पात्रों में सौधर्म इंद्र के रूप में अरविंद-सुनीता जबलपुरी, कुबेर पद पर संजय-संजना जबलपुरी और महायज्ञ नायक के रूप में धर्मचंद-केसर बाई जैन का चयन किया गया। वहीं, भरत चक्रवर्ती के लिए शिरोमणि जैन और ईशान इंद्र हेतु बाबूलाल-उषा रानी को चुना गया।

बधाइयों का लगा तांता

सौभाग्यशाली परिवारों को बधाई देने के लिए देशभर से गणमान्य नागरिक और पत्रकार बंधु उमड़ पड़े। उमरिया कलेक्टर धरणेंद्र जैन सहित सागर, ललितपुर, जयपुर, रायपुर और झांसी के अनेक समाजसेवियों और संपादकों ने दूरभाष पर शुभकामनाएं प्रेषित कीं। संगीतकार उमेश एंड पार्टी और कलाकार चक्रेश जैन सोजना की प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया। महोत्सव समिति द्वारा आयोजित विशाल वात्सल्य भोज में घुवारा सहित आसपास के 100 गाँवों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

जिन धर्म के सिद्धांतों से जीवन को व्यवस्थित बनाया जा सकता है: मुनि समत्व सागर

तीर्थंकर के माता-पिता के निवास पर उमड़ा जनसैलाब; सौधर्म इंद्र व कुबेर परिवार ने किया सम्मान

घुवारा (भरत सेठ पत्रकार). शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महामुनिराज के शिष्य मुनि श्री 108 समत्व सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में चल रही प्रवचन श्रृंखला 'जीवन जीने की कला' में श्रद्धालुओं को जीवन प्रबंधन के महत्वपूर्ण सूत्र बताए जा रहे हैं। प्रवचन के दौरान मुनि श्री ने वर्तमान जीवनशैली पर प्रहार करते हुए कहा कि आज का मनुष्य अक्सर समय के अभाव की शिकायत करता है, जबकि समय वही 24 घंटे का है जो युगों से चला आ रहा है। अंतर केवल इतना है कि आज का मनुष्य अपने जीवन का सही प्रबंधन नहीं कर पा रहा है, जिसके कारण वह तनाव और चिंताओं से घिरा रहता है। मुनि श्री ने स्पष्ट किया कि जिन धर्म के सिद्धांत मनुष्य को आत्म-अनुशासन और सकारात्मक दृष्टि प्रदान करते हैं। यदि श्रावक अपने दैनिक जीवन में देव पूजा, गुरु उपासना, स्वाध्याय, संयम, तप और दान जैसे षट्-कर्तव्यों का नियमित पालन करे, तो उसका जीवन संतुलित और सफल बन सकता है। इस अवसर पर मुनि श्री सौम्य सागर जी, मुनि श्री जयन्द्र सागर जी एवं मुनि श्री शील सागर जी भी विराजमान रहे।

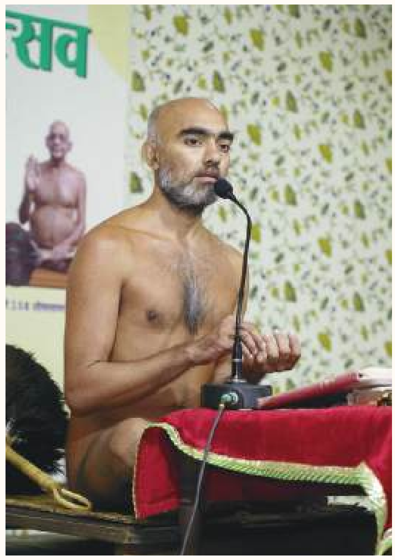

सौभाग्यशाली माता-पिता के निवास पर बधाइयों का तांता

घुवारा में आगामी 22 से 27 मार्च तक आयोजित होने वाले 'श्री मज्जिनेन्द पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं गजरथ महोत्सव' में सेठ सुखानंद जी एवं श्रीमती भागवती सेठ को भगवान के माता-पिता बनने का दुर्लभ सौभाग्य प्राप्त हुआ है। रविवार को माता-पिता के निवास पर उत्सव के अन्य प्रमुख पात्रों–सौधर्म इंद्र, कुबेर परिवार और महायज्ञ नायक की मातेश्वरी ने पहुंचकर हर्ष व्यक्त किया और माता-पिता का तिलक व माला पहनाकर सम्मान किया। इस दौरान पूरे वातावरण में उल्लास और मंगल गान की गूँज रही।

गणमान्य नागरिकों ने व्यक्त की खुशी

बधाई देने वालों में प्रमोद मस्ताई, संजय बैध (शिक्षक), निर्मल जैन वारव, पदमचंद पनवारी, सुबोध सेठ, सुरेंद्र बैध (प्राचार्य), मनोज मस्ताई, डॉ. ज्ञानचंद जी, सुनील घुवारा, नरेंद्र बैध, अंकित चंदला, प्रमोद सेठ और हजारीलाल पटवारी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने सौभाग्यशाली परिवार की अनुमोदना करते हुए महोत्सव के सफल आयोजन की मंगल कामनाएं कीं।

सम्मेद शिखरजी में 'पारसनाथ हिल टॉप क्रिकेट टूर्नामेंट' का भव्य आगाज

शाश्वत तीर्थराज सम्मेदशिखर ट्रस्ट और मेला समिति के संयुक्त तत्वाधान में स्थानीय प्रतिभाओं को मिला मंच

सम्मेद शिखरजी (मधुबन). शाबाश इंडिया। बीस तीर्थंकरों की पावन निर्वाण भूमि मधुबन में पारसनाथ मकर संक्रांति मेला समिति और श्री दिगंबर जैन शाश्वत तीर्थराज सम्मेदशिखर ट्रस्ट के संयुक्त सौजन्य से 'पारसनाथ हिल टॉप क्रिकेट टूर्नामेंट' का रविवार को भव्य शुभारंभ हुआ। ट्रस्ट के महामंत्री राजकुमार जैन अजमेरा ने अपने संदेश में कहा कि मोबाइल के दौर में शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल अनिवार्य हैं। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारना है। ट्रस्ट भविष्य में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन कर एक ऐसी टीम तैयार करेगा, जो जिला स्तर पर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेगी। ट्रस्ट के प्रबंधक संजीव जैन ने बताया कि अध्यक्ष जम्बूप्रसाद जैन के निर्देशानुसार स्थानीय युवाओं को प्रोत्साहित करने हेतु यह सहयोग प्रदान किया जा रहा है। टूर्नामेंट का उद्घाटन प्रबंधक संजीव जैन, ए. सईदी और गंगाधर महतो ने फीता काटकर किया। राष्ट्रगान और भारत माता के जयघोष के साथ शुरू हुए उद्घाटन मैच में खरपोका टीम ने चिरकी टीम को हराकर जीत दर्ज की। इस प्रतियोगिता में मधुबन पंचायत के आसपास की कुल 16 टीमें भाग ले रही हैं। गौरतलब है कि शाश्वत तीर्थराज ट्रस्ट पूर्व में भी फुटबॉल और साइकलिंग जैसे आयोजनों सहित स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से समाज सेवा में अग्रणी रहा है। **संकलनकर्ता: राज कुमार जैन अजमेरा (कोडरमा मीडिया प्रभारी)**

चंदनबाला अम्बेश महिला मंडल का स्नेह मिलन संपन्न

प्रेम और सौहार्द के रंगों से सराबोर हुआ आयोजन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। चंदनबाला अम्बेश महिला मंडल द्वारा सोमवार को वर्धमान कॉलोनी स्थित अम्बेश स्वाध्याय भवन में 'स्नेह मिलन' कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। आपसी संवाद और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र के सामूहिक

पाठ और स्वागत गीत के साथ हुआ। संरक्षिका पुष्पा संचेती, अध्यक्ष उर्मिला वागरेचा एवं मंत्री किरण हिरण सहित पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि अंजू चपलोत, संतोष सिंघवी, रानी संचेती, कमला सूरिया, सिम्मी पोखरना और मंजू खटवड़ का गुलाल लगाकर आत्मीय स्वागत किया। स्वागत की इस स्नेहिल परंपरा ने आयोजन में होली की उमंग भर दी। मनोरंजन के लिए हाउजी गेम, गायन प्रतियोगिता एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अध्यक्ष उर्मिला वागरेचा ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाएं समाज की सशक्त धुरी हैं, जो अपनी संवेदनशीलता से परिवारों को जोड़ने और सद्भाव का वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे आयोजन आपसी समझ और सहयोग की भावना को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। समारोह में नीता खटोड़, सुनीता सूरिया, चंचल रांका, अनिता खाब्या सहित बड़ी संख्या में मंडल की सदस्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन स्नेह भोज के साथ हुआ। **प्रवक्ता: सुनील चपलोत**

जेएसजी सिद्धा परिवार ने बेनाड़ क्षेत्र में भक्ति के साथ किया संगीतमय 'विजय पताका विधान'

विशाल खडगासन चौबीसी प्रतिमा के समक्ष उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, महाआरती और वात्सल्य भोज के साथ संपन्न हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप सिद्धा परिवार द्वारा रविवार, 15 मार्च 2026 को बेनाड़ स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र में भव्य 'विजय पताका विधान' का आयोजन किया गया। भक्ति और संगीत के संगम के बीच आयोजित इस विधान में ग्रुप के सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

भक्ति और संगीत का संगम

सिद्धा परिवार के संस्थापक अध्यक्ष धीरज कुमार-सीमा पाटनी एवं वर्तमान अध्यक्ष सौरभ-रतिका गोधा ने बताया कि प्रातः 8:15 बजे भव्य खडगासन चौबीसी प्रतिमा के समक्ष विधान का शुभारंभ हुआ। विधानाचार्य पंडित प्रद्युम्न शास्त्री के निर्देशन एवं गायक नवीन जैन एंड पार्टी की सुमधुर प्रस्तुतियों ने संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय कर दिया। श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ मंडल जी पर श्रीफल अर्पित करते हुए पूजा-अर्चना की।

इंद्रों ने प्राप्त किया सौभाग्य

महोत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए, जिसमें पुण्यार्जक परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया:

शांतिधारा: पदमचंद जी, ज्ञान-सपना जी एवं सिद्धार्थ जैन परिवार।

पूजन सामग्री: विनोद-संतोष जी, विपिन-डिंपल जी, नितेश-आशिका पाटनी (भेसलाना वाले), अभिषेक-सोनिया बड़जात्या एवं हितेंद्र-नीलम जैन परिवार।

सौधर्म इंद्र: जितेंद्र-हेमा जैन लुहाड़िया।

मंगल कलश स्थापना: दिनेश-नीलम काला।

कुबेर इंद्र: धीरज-सीमा पाटनी।

यज्ञ नायक: सौरभ-रतिका गोधा।

ईशान, सनत, महेंद्र व ब्रह्म इंद्र: क्रमशः सुरेंद्र-संगीता छाबड़ा, मनोज-मनीषा सौगानी, मोनेश-सोनिया जैन एवं अभिषेक-चित्रा जैन।

महाआरती और वात्सल्य भोज

ग्रुप के उपाध्यक्ष अंजन-आकांक्षा जैन, कोषाध्यक्ष मनोज-मनीषा सोगानी और सचिव सुरेंद्र-संगीता छाबड़ा ने बताया कि विधान का समापन भव्य महाआरती के साथ हुआ। तत्पश्चात सभी सदस्यों ने सामूहिक 'वात्सल्य भोज' का आनंद लिया। भोजन व्यवस्था में रोहित-विनीता सौगानी एवं ज्ञान-सपना जैन परिवार का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में संयोजकों ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए उनके पुण्य की अनुमोदना की।

प्रदीप मित्तल (कुन्ना) निर्विरोध चुने गए नर्सिंग गौशाला के अध्यक्ष

नई कार्यकारिणी का गठन संपन्न, राघव तेला और अजय गौड़ बने उपाध्यक्ष

नसीराबाद (रोहित जैन)। छावनी परिषद क्षेत्र की प्रतिष्ठित नर्सिंग गौशाला की साधारण सभा एवं नवीन कार्यकारिणी के चुनाव रविवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी राजेंद्र मुणोत की देखरेख में आयोजित इस प्रक्रिया में सर्वसम्मति से प्रदीप मित्तल (कुन्ना) को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रदीप मित्तल ने अपनी नई टीम की घोषणा करते हुए बताया कि गौशाला के विकास और गौवंश की सेवा के लिए ऊर्जावान पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यकारिणी में राघव तेला और अजय गौड़ को उपाध्यक्ष, योगेश परिहार को सचिव, तथा निलेश गर्ग व दिग्विजय सिंह गुर्जर को सह-सचिव पद पर चुना गया है। इसी प्रकार, गौशाला के वित्तीय प्रबंधन हेतु दीपक बंसल को कोषाध्यक्ष और तुषार सिंघल को सह-कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। साधारण सभा के दौरान नसीराबाद के अनेक गणमान्य नागरिक और गौशाला के सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे। चुनाव अधिकारी राजेंद्र मुणोत ने शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराने के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उपस्थित प्रबुद्धजनों ने नई कार्यकारिणी को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि प्रदीप मित्तल के नेतृत्व में गौशाला की व्यवस्थाओं में सुधार होगा और गौसेवा के कार्यों को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने गौवंश के संरक्षण का संकल्प लिया।

महिलाओं में बढ़ते हृदय रोगों के प्रति जागरूकता जरूरी: जीतो लेडीज विंग का ऑनलाइन सेमिनार

"हेल्दी हार्ट - नो योर हार्ट, प्रोटेक्ट योर लाइफ" विषय पर विशेषज्ञों ने साझा किए महत्वपूर्ण सूत्र

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। जीतो लेडीज विंग द्वारा स्वास्थ्य एवं पोषण प्रकल्प के अंतर्गत सोमवार को 'हेल्दी हार्ट - नो योर हार्ट, प्रोटेक्ट योर लाइफ' विषय पर एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। जूम मंच के माध्यम से आयोजित इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में तेजी से बढ़ रहे हृदय रोगों के प्रति सजगता बढ़ाना रहा।

स्वयं के स्वास्थ्य को दें प्राथमिकता: नीता बाबेल

सेमिनार का शुभारंभ नवकार मंत्र के साथ हुआ। जीतो भीलवाड़ा लेडीज विंग की चेयरपर्सन नीता बाबेल ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि भागदौड़ भरी जीवनशैली, तनाव और अनियमित खानपान के कारण महिलाओं में हृदय रोग के मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने महिलाओं का आह्वान किया कि वे परिवार के साथ-साथ स्वयं के स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दें। जीतो अपैक्स लेडीज विंग की चेयरपर्सन शीतल दुग्गड़ ने संगठन द्वारा संचालित रचनात्मक गतिविधियों की जानकारी देते हुए महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की प्रेरणा दी। अपैक्स सचिव शशि मंडोत और राजस्थान क्षेत्र संयोजक सरिता लोढ़ा ने भी इस पहल की सराहना की। मुख्य वक्ता एवं मुंबई के प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. निर्मल जैन ने महिलाओं में हृदय रोग के बढ़ते खतरों और प्रारंभिक लक्षणों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और तनावमुक्त जीवनशैली अपनाकर इस जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन अपैक्स हेल्थ कन्वीनर रचना कानूंगो ने किया।

सेंट्रल बैंक के प्रबंध निदेशक का सेवानिवृत्त अधिकारियों ने किया अभिनंदन

जयपुर में नए क्षेत्रीय कार्यालय के उद्घाटन पर दी शुभकामनाएं; व्यवसाय वृद्धि में सहयोग का दिलाया भरोसा

जयपुर. शाबाश इंडिया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी कल्याण कुमार के जयपुर आगमन पर बैंक के सेवानिवृत्त अधिकारियों के एक शिष्टमंडल ने उनसे शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात शनिवार को जयपुर में बैंक के नए क्षेत्रीय कार्यालय के उद्घाटन समारोह के अवसर पर हुई। सेंट्रल बैंक रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव एन.के. पारीक ने कल्याण कुमार को शाल ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय अभिनंदन किया। पारीक ने राजस्थान राज्य के जयपुर शहर में बैंक का नया क्षेत्रीय कार्यालय खोलने के निर्णय की सराहना करते हुए प्रबंधन को बधाई दी। इस दौरान उन्होंने बैंक की प्रगति और व्यवसाय वृद्धि में सेवानिवृत्त अधिकारियों की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। एसोसिएशन के क्षेत्रीय सचिव पदम जैन बिलाला ने बताया कि इस गरिमामयी अवसर पर मनोज शर्मा, बी.एस. राठौड़ (सहायक महाप्रबंधक), ललित शर्मा, शिवानंद शर्मा और बी.एस. राठौड़ (उप महाप्रबंधक) सहित संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रबंध निदेशक कल्याण कुमार ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के इस उत्साह और जुड़ाव की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

महिला जागृति संघ के चुनाव संपन्न

शशि जैन अध्यक्ष और शारदा सोनी बनीं मंत्री

जयपुर. शाबाश इंडिया। महिला जागृति संघ के वार्षिक चुनाव रविवार को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए। चुनाव अधिकारियों ने परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि आगामी कार्यकाल के लिए शशि जैन को सर्वसम्मति से अध्यक्ष और शारदा सोनी को मंत्री पद पर निर्वाचित किया गया है। संस्था की नई कार्यकारिणी में विमला गोधा, जयंती बेनाडा और राजकुमारी सौगानी को संरक्षक मनोनीत किया गया। उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी साधना काला और बेला जैन को सौंपी गई है। अन्य पदाधिकारियों का चयन:

संयुक्त सचिव: रूबी जैन और रेखा गोधा
सांस्कृतिक मंत्री: कुसुम ठोलिया और सरोज छाबड़ा
कोषाध्यक्ष: मंजू छाबड़ा और विजया सोनी
स्टोर इंचार्ज: दीपिका गोधा और मंजू पाटनी

इसके अतिरिक्त संस्था के सुचारू संचालन के लिए कार्यकारी सदस्य के रूप में उर्मिला बाकलीवाल, इंदु दोषी, रेनू जैन, निर्मला वैद, अनिला पापडीवाल और रमा जैन को शामिल किया गया है। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया चुनाव अधिकारी संजय काला और राजेंद्र शर्मा की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को समाज के विभिन्न संगठनों ने बधाई दी है।

अलग सोच से डरता समाज: सत्य को स्वीकारने के साहस की आवश्यकता

भीड़ का हिस्सा बनना आसान है, लेकिन सत्य के साथ अकेले खड़े होना ही वास्तविक शक्ति है...

समाज अक्सर उन लोगों से असहज हो जाता है जो भीड़ से अलग सोचने का साहस दिखाते हैं। इतिहास गवाह है कि जब भी किसी व्यक्ति ने परंपरागत ढर्रे से हटकर सत्य बोलने का साहस किया, अपने स्पष्ट विचार रखे या समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, उसे विरोध, आलोचना और षड्यंत्रों का सामना करना पड़ा। इसका कारण सरल है—भीड़ को वही व्यक्ति सुरक्षित और 'अपना' लगता है जो उनकी तरह सोचता हो, उनकी तरह चलता हो और उनकी गलतियों पर भी मौन रहता हो। जो व्यक्ति लीक से हटकर खड़ा होता है, वह समाज के उस बड़े हिस्से को डराने लगता है, क्योंकि उसका स्वतंत्र अस्तित्व यह साबित कर देता है कि भेड़चाल ही एकमात्र रास्ता नहीं है। दरअसल, समाज का एक बड़ा वर्ग परंपराओं की आड़ में चल रही कुरीतियों को जानते हुए भी चुप रहता है। लोग समझते हैं कि कहाँ दिखावा है, कहाँ स्वार्थ है और कहाँ सत्ता का खेल चल रहा है, लेकिन वे 'अकेले पड़ जाने' के डर से आवाज नहीं उठाते। ऐसे माहौल में जब कोई व्यक्ति सच्चाई बोलता है, तो तंत्र उसे गलत साबित करने में जुट जाता है। उसके चरित्र पर प्रश्न उठाए जाते हैं, उसकी नीयत पर शक किया जाता है और उसे समाज विरोधी तक घोषित कर दिया जाता है। परंतु वास्तविकता यह है कि मानवता की प्रगति हमेशा उन्हीं 'अलग' सोचने वालों की वजह से हुई है। यदि हर व्यक्ति भीड़ के पीछे ही चलता रहता, तो न तो कोई सुधार होता और न ही समाज अपने दोषों को पहचान पाता। किसी व्यक्ति का अलग होना दोष नहीं, बल्कि समाज के लिए वह एक 'आना' है। वह हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम सही रास्ते पर हैं या सिर्फ भीड़ के दबाव में अपनी चेतना खो चुके हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम किसी व्यक्ति को केवल इसलिए गलत न ठहराएँ क्योंकि उसकी सोच हमसे भिन्न है। यदि उसके शब्दों में तर्क है और इरादों में समाजहित, तो हमें उसे सुनने का धैर्य विकसित करना चाहिए। किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसके विविध विचारों को स्वीकारने की क्षमता में निहित होती है। जब समाज केवल एक ही प्रकार की सोच को थोपने लगता है, तब वह जड़ और कमजोर होने लगता है। हमें यह समझना होगा कि 'अलग होना' भय का कारण नहीं, बल्कि जागरूकता का संकेत है। समाज को ऐसी आवाजों को दबाने के बजाय उनके विचारों पर गंभीरता से मनन करना चाहिए। कई बार वही आवाज, जिसे आज दबाया जा रहा है, कल समाज के जागरण और आमूलचूल सुधार का आधार बनती है।

नितिन जैन
संयोजक: जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष: अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल
संपर्क: 9215635871

महावीर इंटरनेशनल ने पशु चिकित्सालय स्टाफ को वितरित कीं 'जीवन रक्षक टैबलेट किट'

हृदयाघात के समय प्राथमिक चिकित्सा के रूप में कारगर साबित होगी किट

गढ़ी/परतापुर। महावीर इंटरनेशनल गढ़ी-परतापुर द्वारा सोमवार को राजकीय ए-श्रेणी पशु चिकित्सालय, गढ़ी के स्टाफ सदस्यों को हृदयाघात (हार्ट अटैक) से बचाव हेतु प्राथमिक चिकित्सा किट वितरित की गई। समारोह के मुख्य वक्ता एवं महावीर इंटरनेशनल की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य अजीत कोठिया ने किट के उपयोग की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इसमें एस्पिरिन (150 मिग्रा), सोर्बिट्रेट (10 मिग्रा) और अटोर्वास्टेटिन (80 मिग्रा) का संयोजन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीने में दर्द, अत्यधिक पसीना या घबराहट जैसे हृदयाघात के लक्षण दिखने पर इन गोलियों का सेवन रोगी को अस्पताल पहुँचने तक का सुरक्षित समय प्रदान कर सकता है। यह किट आपातकालीन स्थिति में प्राण रक्षक सिद्ध होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता एम.आई. बांसवाड़ा के महेश पंवार ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में कृष्ण लाल डामोर, मोहनलाल डामोर और पीयूष गर्ग उपस्थित रहे। प्रारंभ में कृष्णलाल डामोर ने इस सराहनीय पहल के लिए महावीर इंटरनेशनल का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अजीत कोठिया ने किया तथा आभार प्रदर्शन महेश पंवार द्वारा किया गया। इस अवसर पर चिकित्सालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

इंदौर में समाज की एकता का शंखनाद

जावरा जैन मंदिर में एक मंच पर जुटे दोनों समूह

मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज के सान्निध्य में हुआ झंडा वंदन और सम्मान समारोह

इंदौर. शाबाश इंडिया। नगर के जावरा जैन मंदिर में रविवार को समाज की एकता और सौहार्द का एक ऐतिहासिक दृश्य देखने को मिला। मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज की प्रभात फेरी के उपरांत मंदिर परिसर में झंडा वंदन किया गया। इस अवसर पर समाज के दोनों प्रमुख समूह एक साथ एक मंच पर खड़े नजर आए, जो एकता का बड़ा संदेश है। कार्यक्रम के दौरान नवनिर्वाचित अध्यक्ष आनंद गोधा का भव्य स्वागत किया गया। महिला मंडल की नवनिर्वाचित अध्यक्ष नीना पाहड़िया ने गोधा का अभिनंदन कर समाज में नई ऊर्जा का संचार किया। उपस्थित सभी समाजजनों ने मुनि श्री का आशीर्वाद लेकर समाज में पारस्परिक सहयोग और भाईचारे को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया। समारोह में विनय बाकलीवाल, पाटोदी जी, आर.के. राणिका, अमित कासलीवाल, हसमुख गांधी, विपिन गांधी, शेखर छाबड़ा, मनोज बाकलीवाल, प्रदीप चौधरी और फेडरेशन अध्यक्ष मनोज झांझरी सहित जेनेश झांझरी, विमल अजमेरा, अनूप गांधी और इंदिरा अजमेरा जैसे गणमान्यजन उपस्थित रहे। महिला शक्ति की ओर से विजया पाहड़िया, शीतल टोग्या, अनिता बड़जात्या और साधना गांधी ने भी सहभागिता की। उल्लेखनीय है कि समाज में एकता की यह सकारात्मक शुरूआत जावरा जैन मंदिर से हुई है, जिसकी चहुँओर सराहना की जा रही है।

श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, महेश नगर में युवा भाषण प्रतियोगिता एवं रक्तदान शिविर आयोजित

महेश नगर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर के सिद्धांत ''जियो और जीने दो'' तथा उनके अमर संदेशों को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से युवा भाषण प्रतियोगिता एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सकल दिगम्बर जैन समाज महेश नगर एवं राजस्थान जैन सभा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम संयोजक नवल जैन ने बताया कि भगवान महावीर के आदर्शों से युवाओं को जोड़ने के उद्देश्य से 10 से 25 वर्ष तक के अविवाहित युवाओं के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महेन्द्र सेठी एवं इन्दु सेठी परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। आयोजित रक्तदान शिविर में 21 यूनिट रक्तदान किया

गया, वहीं भाषण प्रतियोगिता में 23 प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इनमें से दूसरे चरण के लिए 11 प्रतिभागियों का चयन किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन, महासचिव मनीष वेद, मुख्य संयोजक राखी जैन तथा यश कमल अजमेरा और अनिल छाबड़ा की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों का स्वागत महेन्द्र शाह, कुसुम शाह, महेन्द्र सोगानी, पदम चंद जैन, पीयूष जैन और वीरेंद्र जैन ने किया। इस अवसर पर गत वर्ष के 14 विजेताओं को मनोज सोगानी एवं अनीता सोगानी परिवार द्वारा प्रदत्त चांदी के सिक्कों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के निर्णायक डॉ. इंद्र कुमार जैन एवं सुमन जैन रहे, जबकि मंच संचालन कनक श्री जैन ने किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार महेन्द्र सेठी एवं इन्दु सेठी द्वारा प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में राखी जैन ने सभी अतिथियों और उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

डॉ. लिपि जैन को मिला 'क्षुल्लक जिनेंद्र वर्णीः अहिंसा एवं जन-चेतना राष्ट्रीय पुरस्कार'

लाडनूं में आयोजित सुजलांचल काव्य गोष्ठी में हुआ सम्मान; कवियों की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

लाडनूं. शाबाश इंडिया

प्राच्यविद्या एवं जैन संस्कृति संरक्षण संस्थान, जयपुर के तत्वाधान में नगर के दाधीच भवन में 'सुजलांचल काव्य-गोष्ठी' और 'राष्ट्रीय पुरस्कार अर्पण समारोह' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राच्यभाषा मनीषी प्रो. जिनेंद्र कुमार जैन ने की। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ गजलकार राजेश विद्रोही, वरिष्ठ शिक्षाविद रामकुमार तिवारी और गौरी शंकर 'भावुक' उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रेमलता बेगवानी और हर्षलता दुधोड़िया ने शिरकत की। समारोह के दौरान अहिंसा, जैन जीवनशैली, पर्यावरण और गांधी दर्शन जैसे विषयों पर उत्कृष्ट लेखन के लिए जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य डॉ. लिपि जैन को उनकी पुस्तक ₹विकासः गांधी एवं आचार्य महाप्रज्ञ की दृष्टि में₹ के लिए प्रतिष्ठित 'क्षुल्लक जिनेंद्र वर्णीः अहिंसा एवं जन-चेतना राष्ट्रीय पुरस्कार 2023' से नवाजा गया। संयोजिका डॉ. मनीषा जैन ने परिचय देते हुए बताया कि डॉ. लिपि की 6 पुस्तकें और 30 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं, साथ ही उनके नाम 8 पेटेंट पंजीकृत हैं। प्रो. जिनेंद्र जैन ने बताया कि पुरस्कार स्वरूप उन्हें प्रशस्ति-पत्र, स्मृति चिन्ह, अंग-वस्त्र, शास्त्र और 11,000 रुपये की नकद राशि प्रदान की गई। संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष दिए जाने वाले तीन राष्ट्रीय पुरस्कारों में से इस वर्ष एक डॉ. लिपि जैन को उनके विशिष्ट योगदान हेतु दिया गया।

काव्य-गोष्ठी में बरसी कविताओं की फुहार

काव्य संध्या में मदनलाल गुर्जर 'सरल', वी.जी. शर्मा (सुजानगढ़), पंकज सबलानिया 'सफर', निशा इणानिया और रामबाबू शर्मा जैसे कवियों ने अपनी रचनाओं से समां बांध दिया। वरिष्ठ गजलकार राजेश विद्रोही की पंक्तियों— ₹बाबुल की बेसकीमती थाती हैं बेटियां, बेटे अगर चिराग हैं बाती हैं बेटियां₹ ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। पार्षद रेणु कोचर ने मंगलाचरण एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

गणमान्यजनों की उपस्थिति

कार्यक्रम में सुजलांचल क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें हनुमानमल जांगीड़, मंत्री सुशील पीपलवा, प्रवीण जोशी, डॉ. रविंद्र सिंह राठौड़, डॉ. बलवीर सिंह चारण, पंकज भटनागर और सागरमल शर्मा प्रमुख थे। अंत में युवा साहित्यकार दीक्षांत हिंदुस्तानी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

महावीर इंटरनेशनल ने दिव्यांगों को बांटे कृत्रिम अंग और उपकरण; विद्यालय जाने के लिए मिली ट्राईसाइकिल

'जरूरतमंद की सेवा ही सच्ची मानव सेवा' के संकल्प के साथ मनाया विश्व दिव्यांग दिवस

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

'सबकी सेवा-सबको प्यार' और 'जीओ और जीने दो' के ध्येय वाक्य के साथ महावीर इंटरनेशनल, कुचामन सिटी द्वारा विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर भव्य उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था के पदाधिकारियों ने विभिन्न ग्रामों के जरूरतमंद दिव्यांगों और बुजुर्गों को सहायक उपकरण भेंट कर उनकी राह आसान बनाई।

शिक्षा और सुलभता पर विशेष ध्यान

संस्था के अजमेर जोन सचिव वीर कैलाश पांड्या और 'मिश्री प्रोजेक्ट' के कन्वीनर वीर सुभाष पहाड़िया ने बताया कि दिव्यांग

दिवस पर जरूरतमंदों की सेवा का संकल्प लिया गया। इसी कड़ी में: **देवचन्द (12 वर्ष):** रसाल निवासी नानुराम बाबरी के पुत्र देवचन्द को विद्यालय जाने की सुविधा हेतु ट्राईसाइकिल भेंट की गई, ताकि उसकी पढ़ाई सुचारू रह सके।

बिरदी चन्द मेघवाल (65 वर्ष): कुचामन निवासी बिरदी चन्द को आवागमन हेतु व्हीलचेयर प्रदान की गई।

बुजुर्गों को मिला संबल: झमकू देवी (80 वर्ष) और दातार सिंह (72 वर्ष) को वाकर तथा जिमना देवी (74 वर्ष) को चटिया स्टिक भेंट की गई।

सेवा ही सच्ची मानव सेवा

अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल और कोषाध्यक्ष वीर सुरेश जैन ने कहा कि शारीरिक रूप से अक्षम और वृद्धजनों की सहायता करना ही वास्तविक धर्म है। इस अवसर पर वीर अशोक अजमेरा, सम्पत बगड़िया, प्रदीप गंगवाल, सुरेन्द्र सिंह दीपपुरा, रतनलाल मेघवाल और हरीप्रसाद सहित संस्था के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा की भावना के साथ उपकरण वितरित कर इस विशेष दिन को सार्थक बनाया।

भगवान महावीर के 2625वें जन्मोत्सव पर विशाल रक्तदान शिविर संपन्न

ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन और राजस्थान जैन सभा के संयुक्त तत्वाधान में उमड़ा जनसैलाब

जयपुर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में रविवार को 'राजस्थान संडे रक्तदान शिविर' का भव्य आयोजन किया गया। राजस्थान जैन सभा द्वारा ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट के सहयोग से यह शिविर मानसरोवर स्थित प्रियंका हॉस्पिटल एंड कार्डियक सेंटर में आयोजित हुआ, जिसमें युवाओं और समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अध्यक्ष प्रमोद जैन भँवर ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अभिषेक जैन एवं विशिष्ट अतिथि अजय जैन, राजकुलदीप सिंह तथा अस्पताल के निदेशक डॉ. जी.एल. शर्मा रहे। शिविर का मुख्य आकर्षण जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा की सुपुत्री प्रियांजली मीणा रहीं, जिन्होंने अन्य युवाओं के साथ रक्तदान कर मानवता का संदेश दिया। संस्था द्वारा सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। आयोजन को सफल बनाने में संस्था सचिव ऋषि जैन, सह-सचिव डॉ. राज के. टांक, कोषाध्यक्ष मनीषा जैन और सांस्कृतिक सचिव राखी जैन सहित प्रियांशी, निकिता एवं पारुल चौधरी का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान ही भगवान महावीर के 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत को चरितार्थ करने का सर्वोत्तम माध्यम है।

श्री महावीर जी रेलवे स्टेशन प्रांगण में कमलासन पर विराजमान महावीर स्वामी की प्रतिमा के सर्किल व छत्री का कार्य अंतिम चरण में चल रहा है

सुबोध पब्लिक स्कूल में 'एडवेंचर कैंप 2026' का शानदार आयोजन; साहसिक गतिविधियों से छात्रों ने सीखा टीमवर्क

तीन चरणों में आयोजित कैंप में 500 से अधिक विद्यार्थियों और अभिभावकों ने उत्साह के साथ लिया भाग

सांगानेर, जयपुर. शाबाश इंडिया। एयरपोर्ट के पास स्थित सुबोध पब्लिक स्कूल द्वारा छात्रों में आत्मविश्वास, टीमवर्क और साहसिक कौशल विकसित करने के उद्देश्य से 'एडवेंचर कैंप 2026' का भव्य आयोजन किया गया। अनुभवात्मक शिक्षा पर आधारित इस कैंप के माध्यम से विद्यार्थियों ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि चुनौतियों का सामना करने की कला भी सीखी।

तीन चरणों में संपन्न हुआ रोमांचक सफर

विद्यालय प्रशासन द्वारा इस कैंप को अलग-अलग श्रेणियों में आयोजित किया गया ताकि प्रत्येक आयु वर्ग के छात्र इसका पूर्ण आनंद ले सकें:

अन्य स्कूलों के परीक्षार्थियों के लिए विशेष पहल: शनिवार, 7 मार्च को कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा के अंतिम दिन, विद्यालय ने उन छात्रों के लिए कैंप का आयोजन किया जिनका परीक्षा केंद्र सुबोध स्कूल में था। परीक्षा के तनाव के बाद छात्रों ने विभिन्न एडवेंचर गतिविधियों में भाग लेकर मानसिक शांति और आनंद का अनुभव किया।

कक्षा 3 से 11वीं के छात्रों हेतु: शनिवार, 14 मार्च को अंतिम परीक्षाओं की समाप्ति के पश्चात कक्षा 3 से 11वीं तक के विद्यार्थियों के लिए विशेष सत्र रखा गया। साल भर की पढ़ाई के बाद छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ साहसिक खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाई। **अभिभावकों और फाउंडेशन कक्षाओं का संगम:** रविवार, 15 मार्च को कैंप का सबसे ऊर्जावान दिन रहा। इसमें फाउंडेशन कक्षाओं (नर्सरी से द्वितीय) के नन्हे बच्चों और उनके अभिभावकों ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम आसपास के निवासियों और पड़ोसी स्कूलों के छात्रों के लिए भी खुला था, जिसमें 500 से अधिक लोगों की भागीदारी दर्ज की गई।

आचार्य सुंदर सागर एवं आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ ने किए जयपुर के 11 मंदिरों के दर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया। गुलाबी नगरी के आराध्य देवों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए आज प्रातः आचार्य सुंदर सागर जी महाराज एवं आचार्य शशांक सागर जी महाराज ससंघ दर्शन पदयात्रा पर निकले। इस दौरान मुनिसंघ ने चांदपोल बाजार के 5 मंदिरों एवं किशनपोल बाजार के 6 मंदिरों सहित कुल 11 दिगंबर जैन मंदिरों के दर्शन किए। इस भक्तिमय पदयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी साथ रहे। सभी दर्शनार्थियों ने मुनिसंघ के दर्शन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। मुनिसंघ की इस चर्या से संपूर्ण परकोटा क्षेत्र का वातावरण धर्ममय हो गया। – **राजकुमार पाटनी**

त्रिशला माता के सोलह स्वप्नों के साथ गर्भ कल्याणक का भव्य मंचन

प्राचीन महापुत जिनालय में 'घर-घर मंगलाचार' कार्यक्रम आयोजित; भावी मुनि श्री की हुई गोद भराई

अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग, अजमेर द्वारा 'घर-घर मंगलाचार' कार्यक्रम के अंतर्गत गर्भ कल्याणक महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। अजमेर के प्राचीन महापुत जिनालय में आयोजित इस कार्यक्रम का संयोजन ऊर्जावान सदस्य हीरामणि जैन ने किया। कार्यक्रम के दौरान तीर्थंकर बालक के आगमन के प्रतीक माता त्रिशला के सोलह स्वप्नों–हाथी, बैल, सिंह, लक्ष्मी, माला, चंद्रमा, सूर्य, कलश, मछलियां, सरोवर, समुद्र, सिंहासन, विमान, नागभवन, रत्नों का ढेर और निर्धूम अग्नि–का सजीव चित्रण और भक्तिमय मंचन किया गया। राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि समिति संरक्षिका निर्मला पांड्या ने इन स्वप्नों के आध्यात्मिक प्रतिफल और उनके महत्व की विस्तृत जानकारी साझा की। युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा ने बताया कि मंचन में माता त्रिशला की भूमिका हीना काला एवं पिता सिद्धार्थ की भूमिका मोहित काला ने पूरी श्रद्धा के साथ निभाई। इससे पूर्व भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसके पश्चात णमोकार मंत्र जाप और भक्तामर पाठ के साथ भजन संध्या आयोजित हुई।

भावी मुनि श्री की गोद भराई

कार्यक्रम का एक विशेष और भावुक क्षण वह रहा जब आगामी समय में मुनि दीक्षा धारण करने जा रहे ब्रह्मचारी प्रशांत भैया की गोद भराई की रस्म अदा की गई। समिति की सदस्यों ने उनके वैराग्य मार्ग की मंगल कामना की। युवा महिला संभाग मंत्री रिंकू कासलीवाल ने बताया कि आयोजन में समाज श्रेष्ठी प्रतिभा सोनी सहित बड़ी संख्या में महिला मंडल की सदस्याएं मौजूद रहीं।

बाहुबली जैन वेलफेयर सोसाइटी ने उत्साहपूर्वक मनाया होली मिलन समारोह

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। रिद्धि सिद्धि एंजॉय सिटी रिसोर्ट में बाहुबली जैन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा 'होली मिलन समारोह' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ णमोकार मंत्र के पाठ के साथ हुआ। इस अवसर पर राजेंद्र जैन (पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष, कांग्रेस) और जयकुमार कोठारी को सोसाइटी का नया सदस्य मनोनीत कर सुरेंद्र छाबड़ा एवं राकेश पाटनी ने उनका स्वागत किया। साथ ही, त्रिशला महिला मंडल की नवनियुक्त अध्यक्ष सुशीला छाबड़ा का भी सम्मान किया गया। समारोह में उन सदस्यों का अभिनंदन किया गया जिनका इस माह जन्मदिन या विवाह वर्षगांठ थी। अध्यक्ष सुरेंद्र छाबड़ा ने सोसाइटी की गौरवशाली यात्रा पर प्रकाश डाला। सांस्कृतिक संध्या में संगीत पार्टी की धुनों पर महिलाओं ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र छाबड़ा व अशोक छाबड़ा ने किया। अंत में सचिव राजकुमार चौधरी ने सभी सदस्यों और उनके परिवारजनों का आभार व्यक्त किया।

रक्तदान महादान: भगवान महावीर के जन्मोत्सव पर मानसरोवर में बहा उत्साह का सैलाब

40 यूनिट रक्त संग्रहित; रक्तदाताओं को हेलमेट भेंट कर दिया जीवन रक्षा का संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्मोत्सव के पावन अवसर पर राजस्थान जैन सभा के आह्वान पर रविवार, 15 मार्च 2026 को मानसरोवर में विशाल रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। न्यू सांगानेर रोड स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर और राजावत फार्म के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस शिविर में समाज के युवाओं और गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर का शुभारंभ प्रातः 9 बजे दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मंदिर समिति के महामंत्री सौभाग मल जैन ने बताया कि मुख्य अतिथि युवा श्रेष्ठी कमलेश चंद-सुशीला कासलीवाल (फागी वाले) रहे, वहीं दीप प्रज्वलन दिनेश-संजू बनेठा परिवार द्वारा किया गया। रक्तदान के प्रति भारी उत्साह देखा गया, जिसमें 60 पंजीकरणों में से 40 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर की खास बात यह रही कि सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र के साथ सुरक्षा हेतु हेलमेट भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही, आमजन के लिए आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में डॉ. रुचि सेठी (नेत्र विशेषज्ञ) और डॉ. प्रमिला जैन (दंत चिकित्सक) ने 160 से अधिक लोगों की जांच कर परामर्श दिया। शिविर में ब्लड शुगर और डायबिटीज की जांच भी निःशुल्क की गई। इस अवसर पर राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चंद्र जैन, महामंत्री मनीष वेद, संयोजक राजीव पाटनी, यश कुमार अजमेरा, अनिल छाबड़ा सहित मंदिर समिति के अध्यक्ष कमलेश चंद जैन, अशोक कोटलर, सुरेंद्र पाटनी, संतोष अजमेरा, मुकेश कासलीवाल, जिनेश जैन, कुणाल काला, और महिला मंडल अध्यक्ष उर्मिला पाटनी व युवा मंडल अध्यक्ष मनोज काला सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सम्यक ग्रुप ने बेनाड़ अतिशय क्षेत्र में किया संगीतमय चंद्रप्रभु विधान

भक्तिमय भजनों के बीच गूँजे मंत्र; सदस्यों ने सामूहिक रूप से किया अभिषेक और पूजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'सम्यक' के तत्वावधान में सदस्यों के बीच धार्मिक सहभागिता और वैचारिक एकता के उद्देश्य से चंद्रगिरी अतिशय क्षेत्र, बेनाड़ में भव्य चंद्रप्रभु विधान का आयोजन किया गया। भगवान चंद्रप्रभु की पावन धरा पर आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों ने सपरिवार सम्मिलित होकर धर्म लाभ लिया।

शांतिधारा और अभिषेक से हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम का प्रारंभ प्रातःकाल भगवान चंद्रप्रभु के अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ हुआ। ग्रुप के सदस्यों को मूलनायक प्रतिमा की शांतिधारा करने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण इस बेला के पश्चात सभी सदस्यों ने सामूहिक अल्पाहार ग्रहण किया।

भजनों की प्रस्तुति रही आकर्षण का केंद्र

ग्रुप सचिव नवल जैन ने बताया कि विधानाचार्य पंडित पदम जी जैन के कुशल निर्देशन में विधान की मांगलिक क्रियाएं संपन्न हुईं। मंत्रोच्चार के बीच सदस्यों ने भक्ति भाव से मंडल पर अर्घ्य समर्पित किए। इस दौरान श्रीमती सुनीता गंगवाल द्वारा प्रस्तुत भजनों की संगीतमय प्रस्तुति ने समां बांध दिया, जो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही।

सौभाग्यशाली परिवार और पदाधिकारी

विधान के दौरान मंगल कलश प्राप्त करने का सौभाग्य सुनील-सीमा ठोलिया को प्राप्त हुआ। इस गरिमामयी अवसर पर:

पदाधिकारी: अध्यक्ष डॉ. इन्द्र कुमार-स्नेह लता जैन, सचिव नवल-सुनीता जैन, कोषाध्यक्ष मुकेश-कल्पना शाह।

संरक्षक व संस्थापक: महावीर-शकुंतला बिंदायका, संस्थापक अध्यक्ष महावीर-लक्ष्मी बोहरा।

विशेष सहयोग: उपाध्यक्ष सुनील-सीमा ठोलिया, विजय-सीमा सोनी, रोशन-आशा जैन, राकेश-ज्योति जैन, अशोक-अंजना जैन, रमेश-सुनीता गंगवाल।

सम्मान और आभार

कार्यक्रम का समापन भगवान की भव्य आरती के साथ हुआ, जिसके उपरांत सभी ने सामूहिक भोज का आनंद लिया। ग्रुप अध्यक्ष डॉ. इन्द्र कुमार जैन ने अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश जी गंगवाल का तिलक लगाकर सम्मान किया और सभी सदस्यों की उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया। यह आयोजन पूर्णतः ग्रुप के सहयोग कोष (फंड) से संपन्न हुआ।

जन-कल्याण हेतु ही जैन संत करते हैं पद-विहार: आचार्य प्रज्ञासागर

10 वर्ष बाद आचार्य श्री का जयपुर में मंगल प्रवेश; शाही लवाजमे के साथ निकली भव्य शोभायात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन आचार्य श्री प्रज्ञासागर जी महाराज का 10 वर्ष के लंबे अंतराल के बाद रविवार को गुलाबी नगरी जयपुर में मंगल प्रवेश हुआ। सांगानेर की चित्रकूट कॉलोनी स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में गुरुदेव के आगमन पर समूचा क्षेत्र 'गुरुवर के जयकारों' से गुंजायमान हो उठा।

राजस्थानी संस्कृति के साथ भव्य अगवानी

समाजसेवी अनिल जैन बनेठा के अनुसार, आचार्य श्री सुबह आशावला से विहार कर प्रताप नगर के हल्दीघाटी द्वार पहुंचे। यहाँ हाथी, घोड़े, बग्घी और ऊँट गाड़ियों के शाही लवाजमे के साथ भव्य जुलूस शुरू हुआ। आर्यिका विष्णुप्रभा माताजी संघ ने आचार्य संघ की अगवानी कर पाद प्रक्षालन किया। जुलूस में महिला मंडल की सदस्य राजस्थानी पगड़ी पहनकर दुपहिया वाहनों पर चल रही थीं, वहीं श्रद्धालु डीजे की धुन पर नृत्य करते हुए गुरुदेव की अगवानी कर रहे थे।

जयपुर से आचार्य श्री का विशेष जुड़ाव

अनिल जैन बनेठा ने बताया कि आचार्य श्री का जयपुर से गहरा लगाव रहा है। उनके द्वारा देखे गए छह मुख्य स्वप्नों में से तीन स्वप्न–चाकसू का आदिश्वर धाम, बापू गाँव का छोटा गिरनार और निमोडिया का गोलोक धाम–इसी जयपुर की धरा पर साकार हुए हैं। मुनि अवस्था के 10 वर्ष बाद आचार्य के रूप में पहली बार जयपुर आगमन पर भक्तों में भारी उत्साह देखा गया। चित्रकूट कॉलोनी मंदिर में दर्शन के पश्चात धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य प्रज्ञासागर महाराज ने कहा, जैन संत सर्व-जग के कल्याण और मोक्ष मार्ग के प्रदर्शन हेतु ही पद-विहार करते हैं। यदि कोई संत किसी स्थान पर दोबारा लौटता है, तो यह वहां के श्रावकों के पुण्योदय का ही फल है। उन्होंने बताया कि चित्रकूट कॉलोनी के कंवर के बाग में दस दिवसीय सर्वतोभद्र मंगल विधान आयोजित होगा, जो समस्त संसार के मंगल के लिए है।

प्रमुख सहभागिता

मंदिर समिति के अध्यक्ष अनिल काशीपुरा एवं मंत्री मूलचंद पाटनी ने बताया कि पाद प्रक्षालन का सौभाग्य मूलचंद पाटनी परिवार को एवं शास्त्र भेंट का सौभाग्य दिनेश बज (जवाहर नगर) को प्राप्त हुआ। प्रशासनिक समन्वयक एडवोकेट महावीर सुरेंद्र जैन एवं ओमप्रकाश कटारिया ने बताया कि विधान की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मार्ग में प्रताप नगर, श्योपुर, पार्श्वनाथ कॉलोनी और वाटिका जैन समाज ने तोरण द्वार सजाकर आचार्य श्री का अभिनंदन किया।

रोटरी क्लब के नेत्र शिविर में 126 मरीजों की जांच, 46 को मिला नई रोशनी का उपहार

श्री सदगुरु सेवा ट्रस्ट लटेरी के सहयोग से हुआ आयोजन; करुणानिधि सेवा समिति का रहा विशेष सहयोग

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब अशोकनगर द्वारा 'श्री सदगुरु सेवा ट्रस्ट नेत्र चिकित्सालय, लटेरी' के तकनीकी सहयोग से रविवार को रोटरी भवन में निःशुल्क नेत्र शिविर का सफल आयोजन किया गया। मानव सेवा के संकल्प के साथ आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में नेत्र रोगियों ने पहुँचकर स्वास्थ्य लाभ लिया।

अनवरत सेवा का संकल्प

रोटरी क्लब द्वारा पिछले कई वर्षों से प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को यह शिविर अनवरत आयोजित किया जा रहा है। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहाँ केवल स्थानीय ही नहीं, बल्कि अन्य जिलों से भी मरीज उपचार के लिए पहुँचते हैं। शिविर में श्री करुणानिधि सेवा समिति, अशोकनगर का विशेष सहयोग रहा।

जांच और ऑपरेशन के लिए चयन

सदगुरु सेवा ट्रस्ट के विशेषज्ञ डॉ. दीपक एवं शिव गनेश की मेडिकल टीम ने कुल 126 मरीजों की आंखों की सूक्ष्म जांच की। जांच के उपरांत 46 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। इन सभी चयनित मरीजों का ऑपरेशन ट्रस्ट के सहयोग से किया जाएगा।

तीये की बैठक

मेरी धर्मपत्नि

शिमला जैन

का स्वर्गवास 15.3.26 को हो गया।

तीये की बैठक 17.3.26 को प्रातः 9 बजे शांतीनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सै-8 प्रताप नगर, जयपुर पर होगी।

शोकाकुल

राजकुमार (पति), रमेश, राजेन्द्र, महेन्द्र अनिल, अशोक, राकेश (चाचा ससुर) मनोज-संगीता, विकास (पुत्र-वधू) नीतीका, हार्दिक (पौत्र पौत्री) त्रिशला - स्व. राजेन्द्र के. गोधाजी, शकुन्तला - अशोकजी, दिलीपजी बैद, पद्मा-सुरेन्द्रजी (ननद-ननदोई) रेखा- नरेन्द्रजी, आशा-सचिनजी (बेटी जवाई) एवं समस्त छाबडा परिवार बांदीकुई वाले।

पीहरपक्ष : जय कुमार, भागचंद, अशोक, कैलाश, मंजू, पवन, सुशान्त, पीयूष पाण्ड्या परिवार लवाण वाले 9509477906